arihant

SSC

सामान्य अध्ययन

चैप्टरवाइज-टॉपिकवाइज

सॉल्वड पेपर्स

7500+

TCS MCQs

दिसम्बर 2022 तक की सभी SSC परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का कवरेज

CGL (Tier I & II)
CPO (SI/ASI)
CHSL (10+2), MTS,
स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' व 'D'
FCI कॉन्स्टेबल (GD)
इत्यादि

SSC

सामान्य अध्ययन

चैप्टरवाइज-टॉपिकवाइज

सॉल्वड पेपर्स

7500+
TCS MCQs

दिसम्बर 2022 तक की सभी SSC परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का कवरेज

CGL (Tier I & II), CPO (SI/ASI), CHSL (10+2), MTS, स्टेनोग्राफर ग्रेड 'C' व 'D', FCI, कॉन्स्टेबल (GD) इत्यादि

लेखक
राहुल मौर्या, प्रेरित गर्ग, विजय प्रताप

arihant
अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

arihant

अरिहन्त पब्लिकेशन्स (इण्डिया) लिमिटेड

सर्वाधिकार सुरक्षित

9 789388 127561

卐 **© प्रकाशक**

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके—इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरण नहीं किया जा सकता है। 'अरिहन्त' ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक अथवा मुद्रक जिम्मेदार नहीं हैं।

सभी प्रतिवाद का न्यायिक क्षेत्र 'मेरठ' होगा।

卐 **रजि. कार्यालय**
'रामछाया' 4577/15, अग्रवाल रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली- 110002
फोन: 011-47630600, 43518550

मुख्य कार्यालय
कालिन्दी, टी०पी० नगर, मेरठ (यूपी)– 250002
फोन: 0121-7156203, 7156204

卐 **शाखा कार्यालय**
आगरा, अहमदाबाद, बरेली, बंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, झाँसी, कोलकाता, लखनऊ, नागपुर तथा पुणे

卐 **मूल्य** ₹ 545.00

卐 **PO No :** TXT-XX-XXXXXXX-X-XX

प्रोडक्शन टीम

पब्लिशिंग मैनेजर	– महेन्द्र सिंह रावत	*इनर डिज़ाइनर*	– अंकित सैनी
प्रोजेक्ट हैड	– अमित त्यागी	*पेज लेआउट*	– प्रदीप चौधरी, हारून खान
कवर डिज़ाइनर	– शानू मंसूरी	*प्रूफ रीडर*	– लोमेश गिरि, कपिल कुमार

PUBLISHED BY ARIHANT PUBLICATIONS (INDIA) LTD.

'अरिहन्त' की पुस्तकों के बारे में अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.arihantbooks.com** पर लॉग इन करें या **info@arihantbooks.com** पर सम्पर्क करें।

Follow us on...

विषय–सूची

भारतीय इतिहास (प्राचीन इतिहास)

1. **प्रागैतिहासिक काल एवं सिन्धु घाटी सभ्यता** **1-4**
   - प्रागैतिहासिक काल
   - सिन्धु घाटी सभ्यता
2. **वैदिक संस्कृति** **5-7**
   - पूर्व वैदिक काल
   - उत्तर वैदिक काल
   - वैदिक साहित्य एवं संस्कृति
3. **जैन एवं बौद्ध धर्म** **8-10**
   - जैन धर्म
   - बौद्ध धर्म
4. **महाजनपद तथा प्राचीन भारत के प्रमुख शासकीय वंश** **11-16**
   - महाजनपद
   - मौर्य/मौर्योत्तर राजवंश
   - कुषाण/सातवाहन
   - गुप्त/गुप्तोत्तर राजवंश
   - हर्षवर्द्धन
5. **दक्षिण भारत का इतिहास, संगम काल तथा त्रिपक्षीय संघर्ष** **17-19**
   - चोल
   - चालुक्य
   - त्रिपक्षीय संघर्ष (पाल/प्रतिहार/राष्ट्रकूट)
   - अन्य

मध्यकालीन इतिहास

1. **भारत पर अरब–तुर्क आक्रमण** **20-21**
2. **दिल्ली सल्तनत** **22-26**
   - गुलाम वंश
   - खिलजी वंश
   - तुगलक वंश
   - सैय्यद एवं लोदी वंश
3. **प्रान्तीय राजवंशों का उदय** **27-28**
   - विजयनगर साम्राज्य
   - बहमनी साम्राज्य
   - अन्य स्वतन्त्र प्रान्तीय राज्य
4. **भक्ति एवं सूफी आन्दोलन** **29-30**
   - भक्ति आन्दोलन
   - सूफी आन्दोलन
5. **मुगल साम्राज्य** **31-39**
   - बाबर
   - शेरशाह
   - हुमायूँ
   - अकबर
   - जहाँगीर
   - शाहजहाँ
   - औरंगजेब
   - मुगलकालीन शासन व्यवस्था
   - विविध
6. **मराठा, मैसूर, सिख तथा अन्य प्रान्तीय शक्तियाँ** **40-45**
   - मराठा साम्राज्य
   - मैसूर
   - सिख
   - हैदराबाद
   - बंगाल

आधुनिक इतिहास

1. **भारत में यूरोपीय शक्तियों का आगमन** **46-48**
2. **सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन** **49-52**
   - प्रमुख सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन
   - राजनैतिक व सांस्कृतिक आन्दोलन
   - अन्य आन्दोलन

3. **1857 का विद्रोह** **53-55**
- 1857 का विद्रोह
- अंग्रेजी शासन के विरुद्ध हुए अन्य विद्रोह

4. **भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन** **56-66**
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उदय व प्रमुख अधिवेशन
- गाँधी जी का भारत आगमन
- प्रमुख जन आन्दोलन, सम्मेलन, समितियाँ, आयोग व रिपोर्ट
- प्रमुख क्रान्तिकारी व स्वतन्त्रता सेनानी एवं क्रान्तिकारी घटनाएँ
- विविध

5. **गवर्नर–जनरल एवं वायसराय** **67-69**
- गवर्नर–जनरल
- वायसराय

6. **विविध** **70-72**

विश्व इतिहास

1. **विश्व इतिहास** **73-75**
- पुनर्जागरण/धर्म सुधार
- इंग्लैण्ड/फ्रांस/यूएसए
- प्रथम/द्वितीय विश्वयुद्ध
- इटली/जर्मनी/रूस
- चीन/दक्षिण एशिया
- समाजवाद/साम्यवाद/यूएन
- अन्य

कला एवं संस्कृति

1. **कला एवं स्थापत्य** **76-79**
- स्थापत्य
- मन्दिर/मठ/तीर्थस्थल
- किले/स्मारक/मकबरा

2. **चित्रकला एवं मूर्तिकला** **80-82**
- चित्रकला
- मूर्तिकला

3. **संगीत तथा प्रसिद्ध संगीतकार** **83-88**
- संगीत वाद्यक एवं घराना
- संगीत वाद्ययन्त्र एवं संगीत शैली
- लोक संगीत/अकादमी

4. **नृत्य एवं नाट्यकला** **89-97**
- लोकनृत्य, शास्त्रीय नृत्य एवं नृत्य शैली
- नर्तक व नृत्यांगना/नृत्य अकादमी

5. **पर्व, त्योहार एवं मेले** **98-103**
- पर्व/उत्सव/रंगमंच
- त्योहार व मेले

6. **भाषा, साहित्य तथा परम्परा** **104**

7. **विविध** **105-107**

भारत एवं विश्व का भूगोल (विश्व का भूगोल)

1. **ब्रह्माण्ड और सौरमण्डल** **108-113**
- ब्रह्माण्ड
- सौरमण्डल (ग्रह, उल्का पिण्ड, क्षुद्रग्रह)

2. **पृथ्वी और उसका वायुमण्डल** **114-121**
- अक्षांश एवं देशान्तर रेखाएँ
- पृथ्वी एवं वायुमण्डल
- पृथ्वी की आन्तरिक संरचना

3. **भौतिक भूगोल** **122-127**
- स्थलाकृतियाँ
- पृथ्वी का आन्तरिक संचरण

4. **महाद्वीप** **128-129**

5. **महासागर तथा अन्य जलीय स्रोत** **130-134**

6. **विश्व का आर्थिक भूगोल** **135-141**
- कृषि
- उद्योग
- खनिज एवं ऊर्जा संसाधन
- परिवहन व जनसंख्या

7. **विविध** **142-143**

भारत का भूगोल

1. **भौतिक भूगोल** **144-148**

2. **भारत की स्थलाकृतियाँ** **149-154**

3. **जलवायु** **155-157**

4. अपवाह तन्त्र 158-164
5. प्राकृतिक वनस्पति (मिट्टी तथा वन) 165-168
6. कृषि तथा सिंचाई परियोजना 169-179
- कृषि व पशुपालन
- सिंचाई/बाँध/जलविद्युत परियोजनाएँ
7. उद्योग, खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 180-185
- प्रमुख उद्योग
- खनिज
- ऊर्जा
8. परिवहन तथा संचार व्यवस्था 186-188
9. भारत की जनसंख्या 189-191
10. प्रमुख जनजाति 192-193

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी
1. पर्यावरण, पारिस्थितिकी तथा उसके घटक 194-198
- पारिस्थितिकी तन्त्र
- पर्यावरण के घटक
2. जैव विविधता, जैवमण्डल आरक्षित क्षेत्र तथा वन्यजीव संरक्षण 199-204
3. पर्यावरण प्रदूषण 205-209
4. जलवायु परिवर्तन, हरित गृह प्रभाव तथा पर्यावरण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 210-214
5. भारत में वन एवं वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रम 215
6. विविध 216-217

भारतीय राजव्यवस्था
1. भारतीय संविधान का निर्माण, प्रारूप तथा विशेषताएँ 218-222
- भारतीय संविधान का निर्माण
- संविधान की विशेषताएँ
2. भारतीय संविधान की प्रस्तावना, स्रोत, भाग एवं अनुसूचियाँ 223-229
- प्रस्तावना
- संविधान के स्रोत व भाग
- संविधान की अनुसूचियाँ/सूचियाँ
3. संघ क्षेत्र तथा राज्यों का गठन 230-232
4. नागरिकता 233
5. मौलिक अधिकार 234-241
6. राज्य के नीति–निदेशक तत्व तथा मौलिक कर्त्तव्य 242-245
- राज्य के नीति–निदेशक तत्व
- मौलिक कर्त्तव्य
7. संघीय कार्यपालिका 246-257
- राष्ट्रपति
- उप–राष्ट्रपति
- प्रधानमन्त्री व मन्त्रिपरिषद
- नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक
- महान्यायवादी
- विविध
8. संघीय विधायिका 258-267
- भारतीय संसद
- लोकसभा
- राज्यसभा
9. राज्य कार्यपालिका एवं विधायिका 268-272
- राज्यपाल, उसके कार्य एवं अधिकार
- मुख्यमन्त्री व मन्त्रिपरिषद
- राज्य विधानमण्डल (विधानसभा व विधानपरिषद)
- महाधिवक्ता
10. न्यायपालिका 273-279
- सर्वोच्च न्यायालय
- उच्च न्यायालय
- न्यायिक कार्य प्रणाली
11. पंचायती राज व्यवस्था 280-282
12. आपातकालीन उपबन्ध 283
13. संवैधानिक संशोधन 284-287
14. संसदीय समितियाँ 288
15. संवैधानिक तथा गैर–संवैधानिक संस्थाएँ 289-292
- संवैधानिक संस्थाएँ
- वित्त आयोग
- चुनाव आयोग
- संघ लोक सेवा आयोग
- गैर–संवैधानिक संस्थाएँ

16. राष्ट्रीय प्रतीक/चिह्न **293**

17. विविध **294-298**

भारतीय अर्थव्यवस्था

1. व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र **299-315**
- व्यष्टि अर्थशास्त्र
- समष्टि अर्थशास्त्र

2. भारतीय अर्थव्यवस्था का परिचय **316-321**
- आर्थिक समृद्धि एवं आर्थिक विकास
- पंचवर्षीय योजनाएँ

3. राष्ट्रीय आय **322-323**

4. भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रक **324-328**

5. गरीबी, बेरोजगारी तथा सरकारी योजनाएँ/कार्यक्रम **329-336**
- गरीबी
- बेरोजगारी
- प्रमुख सरकारी व गैर–सरकारी योजनाएँ/पहल

6. लोकवित्त **337-345**
- वित्तीय बजट व आर्थिक सर्वेक्षण
- कर व्यवस्था
- वित्तीय शब्दावली

7. मुद्रा एवं बैंकिंग **346-362**
- मुद्रा व मुद्रा के प्रकार
- बैंकिंग
- भारतीय वित्तीय बाजार (शेयर बाजार, बीमा क्षेत्र, म्यूचुअल फण्ड)
- विविध

8. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्तीय संस्थाएँ **363-369**
- विदेशी व्यापार (आयात–निर्यात)
- राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ

9. विविध **370-375**

सामान्य विज्ञान (भौतिक विज्ञान)

1. भौतिक राशियों के मात्रक तथा विमाएँ **376-378**
- भौतिक राशि/इकाई (मात्रक)
- भौतिक राशियों के अन्य मात्रक
- विमा
- प्रमुख उपकरणों के अनुप्रयोग

2. गतिकी **379-383**
- गति एवं गति के प्रकार
- बल तथा न्यूटन के नियम
- घर्षण एवं अभिकेन्द्र बल

3. कार्य, ऊर्जा एवं शक्ति **384-385**
- कार्य
- ऊर्जा
- शक्ति

4. गुरुत्वाकर्षण **386-388**
- गुरुत्वाकर्षण का नियम तथा गुरुत्वीय त्वरण
- द्रव्यमान तथा भार
- केप्लर के नियम, उपग्रह तथा पलायन वेग

5. द्रव्य के गुण **389-392**
- प्रत्यास्थता
- तरल दाब
- द्रवों में प्रवाह
- पृष्ठ तनाव

6. ऊष्मा तथा ऊष्मागतिकी **393-398**
- ऊष्मा
- ताप
- तापीय प्रसार
- विशिष्ट ऊष्मा एवं अवस्था परिवर्तन
- ऊष्मा संचरण
- ऊष्मागतिकी

7. सरल आवर्त गति तथा तरंग गति (ध्वनि) **399-402**
- सरल आवर्त गति एवं तरंग
- ध्वनि

8. प्रकाशिकी **403-407**
- प्रकाशिकी घटनाएँ
- प्रिज्म एवं मानव नेत्र
- प्रकाशिकी उपकरण

9. वैद्युतिकी एवं चुम्बकत्व **408-413**
- वैद्युतिकी
- चुम्बकत्व

10. **आधुनिक भौतिकी** 414-415
- परमाणु एवं नाभिक
- अर्द्धचालक एवं युक्तियाँ
- संचार व्यवस्था एवं उपकरण

रसायन विज्ञान

1. **परमाणु संरचना एवं रेडियोएक्टिवता** 416-420
- परमाणु संरचना
- रेडियोएक्टिवता

2. **तत्वों का वर्गीकरण** 421-422

3. **द्रव्य एवं उसकी अवस्थाएँ** 423-426

4. **धातु, अधातु एवं उपधातु** 427-436
- धातुएँ
- अधातुएँ
- उपधातुएँ/मिश्र–धातुएँ

5. **अम्ल, क्षार तथा लवण** 437-441
- अम्ल
- क्षार
- लवण

6. **ईंधन** 442-445

7. **कार्बनिक रसायन** 446-447

8. **दैनिक जीवन में रसायन** 448-452
- उपयोगी रसायन
- साबुन एवं अपमार्जक
- काँच
- रेशे
- बहुलक
- खाद्य परिरक्षक
- रबड़
- सीमेण्ट
- उर्वरक
- बारूद

9. **विविध** 453-455

जीव विज्ञान

1. **कोशिका जीव विज्ञान** 456-459

2. **आनुवंशिकी एवं जैव विकास** 460-463
- आनुवंशिकी
- जैव विकास

3. **सूक्ष्मजैविकी** 464-466

4. **जैव–प्रौद्योगिकी** 467

5. **पादप जगत** 468-472
- पादप वर्गीकरण
- पादप आकारिकी

6. **जन्तु जगत** 473-480
- जन्तुओं के वर्गीकरण का आधार
- अकशेरुकी
- कशेरुकी

7. **पादप शरीर एवं क्रिया विज्ञान** 481-485
- खनिज पोषण
- पादपों में परिवर्तन
- प्रकाश–संश्लेषण, श्वसन एवं वृद्धि
- पादप गति व हॉर्मोन
- पादप प्रजनन

8. **मानव शरीर एवं क्रिया विज्ञान** 486-501
- पोषण
- पाचन तन्त्र
- श्वसन तन्त्र
- परिसंचरण तन्त्र
- उत्सर्जन तन्त्र
- संचलन (गमन) तन्त्र
- तन्त्रिका तन्त्र
- अन्तः स्रावी तन्त्र
- जनन तन्त्र

9. **मानव रोग** 502-508
- संक्रामक रोग
- असंक्रामक रोग

10. **आर्थिक जीव विज्ञान** **509-513**

11. **विविध** **514**

कम्प्यूटर ज्ञान

1. **कम्प्यूटर का परिचय** **515-517**

2. **हार्डवेयर** **518-520**

3. **साफ्टवेयर** **521-522**

4. **ऑपरेटिंग सिस्टम** **523-524**

5. **प्रोग्रामिंग** **525-526**

6. **एमएस–ऑफिस** **527**

7. **डाटाबेस** **528**

8. **नेटवर्क एवं इण्टरनेट** **529-531**

9. **कम्प्यूटर सिक्योरिटी** **532**

10. **विविध** **533-534**

सामान्य ज्ञान

1. **राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेश** **535-538**

2. **विश्व के प्रमुख देश** **539-541**

3. **पुस्तकें एवं लेखक** **542-556**
- राष्ट्रीय
- अन्तर्राष्ट्रीय

4. **उपनाम, कथन एवं समाचार–पत्र/पत्रिकाएँ** **557-560**
- उपनाम
- प्रमुख कथन/श्लोगन
- समाचार–पत्र/पत्रिकाएँ

5. **प्रमुख व्यक्तित्व** **561-572**
- राष्ट्रीय
- अन्तर्राष्ट्रीय

6. **पुरस्कार एवं सम्मान** **573-588**
- राष्ट्रीय
- फिल्म/संगीत
- साहित्य
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- भारत रत्न व पद्म सम्मान
- सैन्य सम्मान/वीरता सम्मान
- अन्य सम्मान
- अन्तर्राष्ट्रीय
- फिल्म/संगीत
- साहित्य
- विज्ञान
- अन्य पुरस्कार

7. **खेल–खिलाड़ी** **589-617**
- ओलम्पिक्स
- FIFA विश्वकप
- अन्य खेल प्रतियोगिता, ट्रॉफियाँ, टूर्नामेण्ट एवं कप
- खेल व्यक्तित्व
- खेल पुरस्कार
- विविध

8. **अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी** **618-621**
- राष्ट्रीय
- अन्तर्राष्ट्रीय
- अन्य

9. **रक्षा प्रौद्योगिकी** **622-625**
- रक्षा व प्रतिरक्षा
- सैन्य अभ्यास
- परमाणु कार्यक्रम

10. **प्रमुख राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन/संस्थान/सूचकांक** **626-633**
- राष्ट्रीय संगठन/संस्थान
- अन्तर्राष्ट्रीय संगठन/संस्थान
- SAARC
- अन्य
- प्रमुख सूचकांक (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

11. **तिथि/दिवस** **634-637**
- राष्ट्रीय
- अन्तर्राष्ट्रीय

12. **शब्द संक्षेप** **638-640**

13. **विविध** **641-644**

SSC परीक्षाओं

में वर्ष 2022 में पूछे गए प्रश्नों का

अध्यायवार विभाजन

S. No.	Topic	SSC CGL Tier I (Dec. 22)	SSC CPO 2022 (Nov. 22)	SSC Steno 2022 (Nov. 2022)	SSC MTS 2022 (July 2022)	SSC (10+2) Tier-I (June 22)	SSC CGL Tier-I (Apr. 22)
1.	प्राचीन इतिहास	1	1	6	-	-	1
2.	मध्यकालीन इतिहास	2	1	2	-	-	-
3.	आधुनिक इतिहास	1	5	2	2	-	2
4.	कला एवं संस्कृति	1	-	1	-	-	-
5.	विश्व भूगोल	1	3	1	-	-	1
6.	भारत का भूगोल	1	2	5	3	2	1
7.	पर्यावरण एवं पारिस्थतिकी	-	1	1	-	-	-
8.	भारतीय अर्थव्यवस्था	3	7	5	3	2	6
9.	भारतीय राजव्यवस्था	2	7	3	2	2	3
10.	भौतिक विज्ञान	-	1	3	-	1	1
11.	रसायन विज्ञान	3	2	2	1	3	2
12.	जीव विज्ञान	1	4	5	1	1	-
13.	कम्प्यूटर	-	-	-	-	-	-
14.	सामान्य ज्ञान	6	14	6	8	12	5
15.	करेण्ट अफेयर्स	3	2	8	5	2	3
	योग	**25**	**50**	**50**	**25**	**25**	**25**

SSC परीक्षाओं

में वर्ष 2021-20 में पूछे गए प्रश्नों का

अध्यायवार विभाजन

S. No.	Topic	SSC CGL Tier I (Aug. 2021)	SSC Steno 2021 (Nov. 2021)	SSC MTS 2021 (Nov. 20-21)	SSC CHSL (10+2) (Aug. 20-21)	SSC Steno 2020 (Nov. 2020)	SSC CPO 2020 (Nov. 2020)
1.	प्राचीन इतिहास	1	1	-	-	2	-
2.	मध्यकालीन इतिहास	-	1	-	1	1	-
3.	आधुनिक इतिहास	1	4	2	1	2	5
4.	कला एवं संस्कृति	-	1	-	-	4	1
5.	विश्व भूगोल	2	-	-	1	2	-
6.	भारत का भूगोल	-	5	3	1	5	3
7.	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	1	3	-	1	-	1
8.	भारतीय अर्थव्यवस्था	1	5	1	3	4	7
9.	भारतीय राजव्यवस्था	2	5	4	4	5	1
10.	भौतिक विज्ञान	1	1	-	-	3	5
11.	रसायन विज्ञान	2	5	-	-	3	3
12.	जीव विज्ञान	1	3	3	3	3	3
13.	कम्प्यूटर	-	-	-	2	-	-
14.	सामान्य ज्ञान	8	11	8	2	14	17
15.	करेण्ट अफेयर्स	5	5	4	6	2	4
	योग	**25**	**50**	**25**	**25**	**50**	**50**

अध्याय
01

प्रागैतिहासिक काल एवं सिन्धु घाटी सभ्यता

प्रागैतिहासिक काल

1. दैमाबाद नामक प्रागैतिहासिक स्थल निम्न में से किस राज्य में स्थित है? **[SSC Steno Grade 'C' & 'D' 2020]**

(a) उत्तर प्रदेश (b) महाराष्ट्र
(c) मध्य प्रदेश (d) गुजरात

(b) दैमाबाद नामक प्रागैतिहासिक स्थल महाराष्ट्र में स्थित है। दैमाबाद हड़प्पा सभ्यता का दक्षिणी विस्तार है। दैमाबाद गोदावरी नदी की सहायक नदी प्रवरा के तट पर स्थित एक निर्जन गाँव तथा पुरास्थल है, जहाँ से उत्तर हड़प्पा के बाद के ताम्रपाषाणयुगीन जीवन-यापन के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। यहाँ से ताँबे का रथ चलाते हुए मनुष्य, साँड़, गैण्डे और हाथी की आकृतियाँ पर्याप्त मात्रा में मिली हैं।

2. 'जोर्वे कल्चर' एक चालकोथिक पुरातात्विक स्थल था, जो वर्तमान समय में निम्नलिखित में से किस भारतीय राज्य में स्थित है? **[SSC CGL (Tier-I) 2018]**

(a) महाराष्ट्र (b) असम
(c) गुजरात (d) बिहार

(a) 'जोर्वे कल्चर' वर्तमान में महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। ताम्रपाषाण काल से सम्बन्धित यह क्षेत्र पश्चिमी महाराष्ट्र के पुणे व अहमदनगर स्थानों से सम्बन्धित था। जोर्वे संस्कृति ग्रामीण सभ्यता पर आधारित थी। यहाँ बड़े एवं मध्यम आकार की खेती वाले किसान गाँवों से लेकर कई छोटे गाँवों के साथ-साथ चरवाहों का कार्य करते थे। जोर्वे संस्कृति को मालवा संस्कृति के पहले का माना जाता है।

3. प्रागैतिहासिक काल के पहले युग को क्या कहा जाता है? **[SSC MTS 2017]**

(a) नवपाषण युग (b) धातु युग
(c) ताम्रपाषण युग (d) पुरापाषण युग

(d) प्रागैतिहासिक काल के पहले के युग को पुरापाषाण युग कहा जाता है, जब मानव ने पत्थर के औजार बनाना सबसे पहले आरम्भ किया था। यह काल आधुनिक काल से 25-20 लाख वर्ष पूर्व से लेकर 12000 वर्ष पूर्व तक माना जाता है।

भारत में पुरापाषाण काल के अवशेष आन्ध्र प्रदेश के कुरनूल, मध्य प्रदेश के भीमबेटका और छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के सिंघनपुर में भी मिलते हैं।

4. 'भीमबेटका गुफा' किस राज्य में है? **[SSC Steno Grade 'C' & 'D' 2017]**

(a) तेलंगाना (b) कर्नाटक
(c) ओडिशा (d) मध्य प्रदेश

(d) 'भीमबेटका गुफा' मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है। यह पुरास्थल आदि मानव द्वारा बनाए गए शैलचित्रों व शैलाश्रयों के लिए प्रसिद्ध है। इन चित्रों को पुरापाषाण काल से मध्यपषाण काल के समय का माना जाता है। इनकी खोज डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा वर्ष 1957-58 के मध्य की गई थी। ये चित्र भारतीय उप-महाद्वीप में मानव जीवन के प्राचीनतम चिह्न हैं। इसे वर्ष 2003 में युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

5. किस काल/युग में पत्थर के औजार सबसे पहले पाए गए थे? **[SSC MTS 2017]**

(a) नवपाषण काल (b) पुरापाषाण काल
(c) लघुपाषाण काल (d) मध्यपाषाण युग

(b) सर्वप्रथम पुरापाषाण काल के दौरान पत्थर के औजार बनाए गए थे। उपकरणों (औजारों) की उपलब्धता के आधार पर पुरापाषाण काल को तीन कालों-निम्न पुरापाषाण काल, मध्य पुरापाषाण काल तथा उच्च पुरापाषाण काल में विभाजित किया गया है।

निम्न पुरापाषाण के प्रमुख उपकरण हस्तकुठार, खण्डक तथा विदारिणी थे, जो क्वार्ट्जाइट पत्थरों से बनाए जाते थे, जबकि मध्य पुरापाषाण काल के प्रमुख औजार बेधनी, छेदनी व खुरचनी आदि थे, जो मुख्यतः पत्थर की पपड़ी से बनाए जाते थे। उच्च पुरापाषाण काल के प्रमुख उपकरण/ औजार तक्षणी व खुरचनी थे, जो मुख्यतः लम्बे स्थूल प्रस्तर फलक के बने होते थे।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा अन्न मनुष्य द्वारा सबसे पहले प्रयोग होने वालों में से था?
[SSC MTS 2013]
(a) जौ (यव) (b) जई (ओट)
(c) राई (d) गेहूँ

(a) नवपाषाण काल और सिन्धु सभ्यता से मिले साक्ष्यों के आधार पर कहा जा सकता है कि मनुष्य द्वारा प्रयुक्त होने वाला सबसे पहला अन्न 'जौ' था, जबकि गेहूँ भी प्रमुख खाद्यान्न था। सिन्धु घाटी सभ्यता के दौरान होरडियम, बल्गैर और हैक्सस्टिम किस्म के जौ का उपयोग किया जाता था। साक्ष्यों से ज्ञात होता है कि इससे पूर्व मेसोपोटामिया एवं मिस्र की सभ्यता में जौ की खेती की जाती थी।

सिन्धु घाटी सभ्यता

7. इण्डिया शब्द इण्डस से आया है, जिसे संस्कृत में ········ कहा जाता है।
[SSC CGL (Tier-I) 2022]
(a) अद्य (b) सर्वत्र (c) भानुः (d) सिन्धु

(d) इण्डिया शब्द 'इण्डस' से आया है, जिसे संस्कृत में 'सिन्धु' कहा जाता है। इस शब्द का प्रयोग यूनानियों द्वारा चौथी शताब्दी ई. पू. से किया जाता रहा है। सिन्धु नदी का दूसरा नाम 'इण्डस' भी था, जिस कारण इस नदी के किनारे विकसित सभ्यता 'सिन्धु घाटी सभ्यता' कहलायी। जब यह 'इण्डस' शब्द लैटिन भाषा में पहुँचा तो परिवर्तित होकर 'इण्डिया' हो गया। भारत को भारतवर्ष, जम्बू द्वीप, भारतखण्ड, आर्यावर्त व हिन्दुस्तान आदि नामों से भी जाना जाता है।

8. 1920 के दशक में सिन्धु घाटी सभ्यता के दो प्रमुख शहरों की खोज हेतु उत्खनन एएसआई (ASI) के किस महानिदेशक के नेतृत्व में हुई? **[SSC Steno Grade 'C' & 'D' 2022]**
(a) माधो सरूप वत्स (b) मोर्टिमर व्हीलर
(c) जॉन ह्यूबर्ट मार्शल (d) जेम्स बर्गेस

(c) वर्ष 1920 में सिन्धु घाटी सभ्यता के 2 प्रमुख शहरों की खोज हेतु उत्खनन ASI (Archaeological Survey of India) जॉन ह्यूबर्ट मार्शल (महानिदेशक) के नेतृत्व में हुआ। हड़प्पा का प्रथम पुरातात्विक उत्खनन वर्ष 1921 में किया गया था। प्रथम उत्खनन का कार्य पुरातात्विक विभाग के निदेशक जॉन मार्शल के नेतृत्व में दयाराम साहनी के द्वारा किया गया।

9. निम्न में से कौन-सा राजस्थान राज्य में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा स्थल है?
[SSC CAPFs CPO SI/ASI 2020]
(a) नागेश्वर (b) चन्हूदड़ो
(c) मन्दा (d) कालीबंगा

(d) कालीबंगा राजस्थान राज्य में स्थित एक परिपक्व-चरण हड़प्पा/सिन्धु घाटी स्थल है। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थल है, यहाँ से सिन्धु घाटी सभ्यता के महत्वपूर्ण अवशेष प्राप्त हुए हैं।
विश्व में सर्वप्रथम कृषि कार्य के साक्ष्य कालीबंगा से मिले हैं। यहाँ से काले रंग की चूड़ियों का उल्लेख मिलता है, इसलिए इसे कालीबंगा के नाम से जाना जाता है।

10. सिन्धु घाटी सभ्यता के निम्नलिखित स्थानों में से किसे 'सिन्ध का मरुद्यान' के रूप में जाना जाता था? **[SSC MTS 2020]**
(a) धौलावीरा (b) मोहनजोदड़ो
(c) चन्हूदड़ो (d) हड़प्पा

(b) मोहनजोदड़ो को सिन्धु घाटी सभ्यता के स्थानों में से 'सिन्ध का मरुद्यान' के रूप में भी जाना जाता था। मोहनजोदड़ो का सिन्धी भाषा में अर्थ मृतकों का टीला है। यह एक नियोजित व उत्कृष्ट शहर था।

11. पाकिस्तान के किस प्रान्त में प्राचीन सभ्यता का स्थल मोहनजोदड़ो स्थित है?
[SSC CAPFs CPO SI/ASI 2020, 2019]
(a) खैबर पख्तूनख्वा (b) पंजाब
(c) सिन्ध (d) बलूचिस्तान

(c) पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त लरकाना जिले में हड़प्पाकालीन स्थल मोहनजोदड़ो सिन्धु नदी के दाएँ किनारे पर स्थित है। इस स्थल की खोज वर्ष 1922 में राखालदास बनर्जी द्वारा की गई थी। मोहनजोदड़ो को मृतकों का टीला भी कहा जाता है। यहाँ से काँसे की नर्तकी की मूर्ति, विशाल अन्नागार व स्नानागार तथा तीन मुख वाले देवता (पशुपति शिव) की मूर्ति, माप-तौल के पत्थर व रंग-बिरंगे मनके मिले हैं। मोहनजोदड़ो से प्राप्त स्नानागार सैन्धव सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत मानी जाती है।

12. प्राचीन शहर 'लोथल', जो अब एक प्रमुख पुरातात्विक स्थल के रूप में प्रसिद्ध है, भारत के किस राज्य में स्थित है?
[SSC Constable (GD) 2019]
(a) राजस्थान (b) महाराष्ट्र
(c) पंजाब (d) गुजरात

(d) 'लोथल' सिन्धु घाटी सभ्यता से सम्बन्धित है। यह स्थल गुजरात के अहमदाबाद जिले में स्थित है। इस पुरातात्विक स्थल का उत्खनन वर्ष 1955 व 1962 में रंगनाथ राव द्वारा किया गया था। 'लोथल' सिन्धु घाटी सभ्यता का प्रमुख बन्दरगाह था। इसके अतिरिक्त यहाँ से चावल की खेती के प्रथम साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं।

13. सिन्धु घाटी चार बड़ी प्राचीन शहरी सभ्यताओं का गृह थी। निम्नलिखित में से कौन-सा उनमें से एक नहीं है?
[SSC Constable (GD) 2019]
(a) दक्षिण एशिया (b) रूस
(c) मेसोपोटामिया (d) मिस्र

(b) रूस को सिन्धु घाटी सभ्यता के प्राचीन शहरी सभ्यताओं में शामिल नहीं किया जाता है। सिन्धु घाटी सभ्यता विश्व की प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में से एक है। सिन्धु घाटी सभ्यता मुख्य रूप से दक्षिणी एशिया के उत्तरी-पश्चिमी क्षेत्रों में विस्तृत है। वर्ष 1921 में दयाराम साहनी ने हड़प्पा का उत्खनन करवाया। मेसोपोटामिया एवं मिस्र की सभ्यता भी सिन्धु सभ्यता के समान विकसित है।

14. निम्नलिखित में से सिन्धु घाटी सभ्यता का एक बन्दरगाह शहर कौन-सा था?
[SSC CGL (Tier-I) 2019]
(a) कालीबंगा (b) धौलावीरा
(c) लोथल (d) राखीगढ़ी

(c) लोथल सिन्धु घाटी सभ्यता का एक बन्दरगाह शहर था। यह नगर गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के तट पर स्थित था, इस स्थल की खोज डॉ. एसआर राव ने वर्ष 1957 में की थी। यह स्थल पश्चिमी एशिया से व्यापार करने का प्रमुख बन्दरगाह था। प्राचीन काल में लोथल एक महत्वपूर्ण और सम्पन्न व्यापारिक केन्द्र था जिससे मोतियों, रत्नों और मूल्यवान गहनों का व्यापार पश्चिम एशिया और अफ्रीका के सुदूर केन्द्रों तक पहुँचता था।

15. सिन्धु घाटी सभ्यता के निम्नलिखित स्थानों में से कौन-सा एक स्थान रावी नदी के किनारे पर स्थित था? **[SSC MTS 2019]**
(a) लोथल (b) मोहनजोदड़ो
(c) चन्हूदड़ो (d) हड़प्पा

(d) हड़प्पा रावी नदी के किनारे स्थित है, रावी नदी सिन्धु नदी की सहायक नदी है। भारत में खोजा गया सबसे पहला पुराना शहर हड़प्पा था। हड़प्पा की खोज वर्ष 1921 में की गई थी। ऋग्वेद में हड़प्पा का वर्णन 'हरियूपिया' के नाम से किया गया है। यह हड़प्पा सभ्यता का एकमात्र स्थल है जहाँ से ताबूत में रखकर दफनाने के प्रमाण मिले हैं। यहाँ निवास करने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था।

16. वर्ष 1922 में सिन्धु के तट पर लरकाना जिले में किस शहर की खुदाई की गई थी?
[SSC Steno Grade 'C' & 'D' 2019]
(a) मोहनजोदड़ो (b) धनुषकोडी
(c) हड़प्पा (d) काँची

(a) वर्ष 1922 में सिन्धु के तट पर लरकाना जिले में मोहनजोदड़ो शहर की खुदाई की गई थी। वर्ष 1922 में मोहनजोदड़ो शहर की खुदाई राखालदास बनर्जी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के महानिदेशक जॉन मार्शल के निर्देशन में की थी। यह एक नियोजित एवं उत्कृष्ट शहर था।

17. सिन्धु घाटी सभ्यता की 'डान्सिंग गर्ल' की मूर्ति .... में ढाली गई थी। **[SSC Constable (GD) 2019]**

(a) पीतल (b) कांस्य
(c) ताँबा (d) लोहा

(b) सिन्धु घाटी सभ्यता के स्थल मोहनजोदड़ो से डान्सिंग गर्ल (नर्तकी) की एक कांस्य में ढली मूर्ति मिली है। ऐसा माना जाता है कि यह 2500 ई.पू. के आस-पास बनाई गई थी।

इसके अतिरिक्त यहाँ विशाल स्नानागार व तीन मुख वाले देवता (पशुपति शिव) की मूर्ति के अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इससे ज्ञात होता है कि सिन्धु घाटी सभ्यता में लोग धातुओं से परिचित थे, परन्तु लौह धातु के साक्ष्य नहीं मिले हैं।

18. .... को सिन्धु घाटी सभ्यता द्वारा की गई सबसे पुरानी खोज माना जाता है। **[SSC MTS 2019]**

(a) भिरड़ाणा (b) मोहनजोदड़ो
(c) राखीगढ़ी (d) अल्लाहदीनो

(a) दिसम्बर, 2014 में हरियाणा के फतेहाबाद जिले में खोजे गए भिरड़ाणा को सिन्धु घाटी सभ्यता का अब तक का, सबसे प्राचीन नगर माना गया है। सिन्धु घाटी सभ्यता विश्व की एक प्राचीन नदी घाटी सभ्यता है।

इसकी स्थापना 8 से 7 ई.पू. में हुई। इसको हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है। हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, कालीबंगा, लोथल, धौलावीरा और राखीगढ़ी इस सभ्यता के प्रमुख केन्द्र थे।

19. निम्नलिखित में से कौन-सी धातु हड़प्पन सभ्यता में नहीं पाई गई थी? **[SSC CPO CAPFs SI/ASI 2017]**

(a) सोना (b) ताँबा
(c) चाँदी (d) लोहा

(d) हड़प्पा सभ्यता के लोग ताँबा, कांस्य, चाँदी, सोना का उपयोग जानते थे, लेकिन लोहा उनके लिए अज्ञात था। इस सभ्यता में अभी तक लोहे के प्रयोग का प्रमाण नहीं मिला है। हड़प्पा क्षेत्र में घातक हथियारों का नहीं मिलना यह दर्शाता है कि यहाँ के लोग लौह-इस्पात से परिचित नहीं थे। इस सभ्यता में कृषि सम्बन्धित औजार भी लकड़ी या पत्थर के बनाए जाते थे।

20. निम्नलिखित में से कौन-सी सभ्यता अपने नगर नियोजन के लिए प्रसिद्ध है? **[SSC CPO CAPFs SI/ASI 2017]**

(a) सिन्धु घाटी सभ्यता
(b) मेसोपोटामियाई सभ्यता
(c) फारस सभ्यता
(d) मिस्र सभ्यता

(a) सिन्धु घाटी सभ्यता अपने नगर नियोजन के लिए प्रसिद्ध है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो सिन्धु घाटी सभ्यता के दो प्रमुख नगर थे। हड़प्पा नामक पुरास्थल सर्वप्रथम ज्ञात हुआ इसलिए इसे हड़प्पा सभ्यता कहते हैं।

21. विशाल स्नानागार (ग्रेट बाथ) कहाँ मिला था? **[SSC CHSL (Tier-I) 2015]**

(a) लोथल (b) चन्हूदड़ो
(c) हड़प्पा (d) मोहनजोदड़ो

(d) विशाल स्नानागार (ग्रेट बाथ) मोहनजोदड़ो में मिला है। यह मोहनजोदड़ो का सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है। विशाल स्नानागार जिसका जलाशय दुर्ग के टीले में है। यह 11.88 मी लम्बा, 7.01 मी चौड़ा और 2.43 मी गहरा है। यह विशाल स्नानागार धर्मानुष्ठान सम्बन्धी स्नान के लिए था। मार्शल ने इसे तत्कालीन विश्व का एक आश्चर्यजनक निर्माण कहा है।

22. सिन्धु घाटी की सभ्यता के लोग किस देवता की पूजा करते थे? **[SSC MTS 2013]**

(a) विष्णु (b) ब्रह्मा
(c) इन्द्र (d) पशुपति

(d) सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग पशुपति शिव एवं मातृदेवी की मूर्तियों की पूजा करते थे। पूर्व वैदिक काल में प्राकृतिक शक्तियों की पूजा की जाती थी। इन्द्र, पूर्व वैदिक काल के सर्वप्रमुख देवता थे। विष्णु की पूजा के प्रमाण वैदिककालीन सभ्यता में मिलते हैं।

23. सिन्धु घाटी सभ्यता की लिपि कौन-सी है? **[SSC CHSL (Tier-I) 2013]**

(a) ब्राह्मी (b) तमिल
(c) खरोष्ठी (d) अज्ञात

(d) सिन्धु घाटी सभ्यता की लिपि 'चित्राक्षर' प्रकार की है, जो अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है। इसलिए यह अभी अज्ञात है, हालाँकि सिन्धु घाटी सभ्यता की लिपि के 400 से अधिक अक्षर या निशान प्राप्त हुए हैं। ब्राह्मी तथा खरोष्ठी लिपि को सर्वप्रथम जेम्स प्रिंसेप (1799-1840 ई.) ने पढ़ा था। तमिल लिपि का उद्भव ब्राह्मी लिपि से हुआ माना जाता है।

24. सिन्धु घाटी सभ्यता के शहरों की गलियाँ थीं **[SSC FCI 2012]**

(a) चौड़ी और सीधी (b) तंग और मैली
(c) फिसलन वाली (d) तंग और टेढ़ी

(a) सिन्धु घाटी सभ्यता के स्थलों से पता चलता है कि इस सभ्यता में शहरों की गलियाँ चौड़ी और सीधी होती थीं तथा परस्पर लम्बवत् होती थीं। ये चौड़ी गलियाँ मुख्य सड़क मार्ग की ओर जाती हैं। गलियों को मुख्य मार्ग से जोड़ने का एक मात्र उद्देश्य आवागमन को सुव्यवस्थित करना था।

25. मोहनजोदड़ो में सबसे बड़ा भवन कौन-सा है? **[SSC FCI 2012]**

(a) विशाल स्नानागार (b) धान्यागार
(c) सस्तम्भ हॉल (d) दो मंजिला मकान

(b) धान्यागार या अन्नागार मोहनजोदड़ो की सबसे विशालतम इमारत थी। इसकी लम्बाई 150 फीट तथा चौड़ाई 50 फीट थी। मोहनजोदड़ो की अन्य बड़ी इमारतों में स्नानागार तथा स्तम्भों वाले भवन शामिल हैं।

26. देवी माता की पूजा सम्बन्धित थी **[SSC FCI 2012]**

(a) आर्य सभ्यता के साथ
(b) भूमध्यसागरीय सभ्यता के साथ
(c) सिन्धु घाटी सभ्यता के साथ
(d) उत्तर वैदिक सभ्यता के साथ

(c) देवी माता (मातृ देवी) की पूजा सिन्धु घाटी सभ्यता का एक विशिष्ट लक्षण था। मातृ पूजा सर्वप्रथम सिन्धु सभ्यता में ही अभिलक्षित होती है। आर्य सभ्यता के लोग मूलतः पशुचारक थे और प्राकृतिक शक्तियों के मानवीय रूपों की पूजा-अर्चना करते थे। सैन्धव मुख्य रूप से प्राकृतिक पूजा करते थे, इस सभ्यता में मन्दिर निर्माण का उल्लेख नहीं मिलता है।

27. सिन्धु घाटी के लोगों की एक महत्वपूर्ण रचना निम्नलिखित में से किसकी मूर्ति थी? **[SSC MTS 2006]**

(a) नटराज
(b) नृत्य करती हुई बालिका
(c) बुद्ध
(d) नरसिम्हा

(b) सिन्धु घाटी के लोगों की एक महत्वपूर्ण रचना नृत्य करती हुई बालिका की मूर्ति (नर्तकी) है, जो काँसे से निर्मित है। यह मूर्ति मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुई है। सिन्धु सभ्यता से मातृ देवी की मूर्ति भी प्राप्त हुई है।

28. बिना दुर्ग का एकमात्र सिन्धु नगर कौन-सा था? **[SSC MTS 2005]**

(a) कालीबंगन (b) हड़प्पा
(c) मोहनजोदड़ो (d) चन्हूदड़ो

(d) सिन्धु सभ्यता में चन्हूदड़ो एकमात्र नगर है, जहाँ किसी दुर्ग के साक्ष्य नहीं मिले हैं। चन्हूदड़ो को कार्नेलियन मनकों का विनिर्माण

स्थल माना जाता है। यहाँ से मछली पकड़ने का ताँबे का काँटा प्राप्त हुआ है।

चन्हूदड़ो, आहड़ और मुण्डिगाक से लोहे की वस्तुएँ प्राप्त हुई हैं। यह एकमात्र पुरास्थल है, जहाँ से वक्राकार ईंटें मिली हैं।

29. सिन्धु सभ्यता के टेराकोटा में निम्नलिखित में से कौन–सा पालतू जानवर विद्यमान नहीं था? **[SSC MTS 2005]**

(a) भैंस (b) भेड़
(c) गाय (d) सूअर

(c) सिन्धु सभ्यता के टेराकोटा (मिट्टी से बनी आकृतियों) में गाय की आकृति का कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है। इसका उल्लेख वैदिक काल में मिलता है। सिन्धु सभ्यता में भैंस, भेड़ व सूअर की टेराकोटा मूर्तियाँ मिली हैं।

30. हड़प्पा सभ्यता की खोज किस वर्ष में हुई थी? **[SSC MTS 2004]**

(a) 1935 (b) 1942
(c) 1901 (d) 1922

(d) हड़प्पा सभ्यता की खोज वर्ष 1921 में दयाराम साहनी द्वारा की गई थी, परन्तु विकल्प में 1922 दिया हुआ है जो सबसे नजदीक है अतः 1922 सही होगा। हड़प्पा सभ्यता के अवशेषों को सर्वप्रथम वर्ष 1826 में चार्ल्स मेसन ने देखा था। वर्ष 1853 तथा वर्ष 1873 में अलेक्जेण्डर कनिंघम ने हड़प्पा स्थल का दौरा किया था।

31. भारत में खोजा गया सबसे पहला पुराना शहर था। **[SSC CAPFs CPO SI/ASI 2003]**

(a) हड़प्पा (b) पंजाब
(c) मोहनजोदड़ो (d) सिन्ध

(a) हड़प्पा भारत में खोजा गया पहला पुराना शहर है। वर्ष 1921 में दयाराम साहनी ने इसका सर्वेक्षण किया और वर्ष 1923 में इसका नियमित उत्खनन प्रारम्भ हुआ।

32. सिन्धु घाटी की खुदाई में मिले अवशेषों में तत्कालीन व्यापारिक और आर्थिक विकास के द्योतक निम्न में से कौन से हैं? **[SSC CAPFs CPO SI/ASI 2003]**

(a) मिट्टी के बर्तन
(b) मुद्राएँ
(c) नावें
(d) मकान

(b) सिन्धु सभ्यता के लोगों के जीवन में व्यापार का बड़ा महत्व था। इसकी पुष्टि हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और लोथल में अनाज के बड़े-बड़े कोठारों के पाए जाने से ही नहीं होती, बल्कि बड़े भू-भाग में ढेर सारी मिट्टी की मुहरों, एकरूप लिपि और मानकीकृत माप-तोलों के अस्तित्व से भी होती है। अतः अवशेषों की खुदाई में प्राप्त मुद्राओं से इस सभ्यता के व्यापार एवं आर्थिक गतिविधि का पता चलता है।

33. 'अपवाह–तन्त्र' का निर्माण–सबसे पहले निम्नलिखित में से किस सभ्यता के लोगों ने किया था? **[SSC MTS 2002]**

(a) मिस्र सभ्यता के लोगों ने
(b) सिन्धु घाटी सभ्यता के लोगों ने
(c) चीनी सभ्यता के लोगों ने
(d) मेसोपोटामिया सभ्यता के लोगों ने

(b) 'अपवाह तन्त्र' का निर्माण सिन्धु सभ्यता का एक विशिष्ट लक्षण है। नगरीय नियोजन के महत्वपूर्ण अंग के रूप में सिन्धु सभ्यता के निवासियों ने विभिन्न आकार व लम्बाई की ढकी हुई नालियों के माध्यम से जल निकासी की उत्तम व्यवस्था की थी। पर्याप्त मात्रा में कुओं की प्राप्ति सैन्धव स्थलों से हुई है।

34. निम्नलिखित में से किस पदार्थ का उपयोग हड़प्पा काल की मुद्राओं के निर्माण में मुख्य रूप से किया गया था? **[SSC MTS 2002, 2000]**

(a) टेराकोटा (b) काँसा
(c) ताँबा (d) लोहा

(a) हड़प्पाकालीन मुद्राओं का निर्माण मुख्य रूप से टेराकोटा नामक पदार्थ से किया जाता था। मिट्टी से बनी इन्हीं आकृतियों को टेराकोटा कहा गया।

हड़प्पाकाल की मुद्राओं का निर्माण मुख्य रूप से सेलखड़ी द्वारा किया गया था, किन्तु मिट्टी आदि का प्रयोग भी इस काल में मुद्राओं के निर्माण में किया गया था।

35. सिन्धु घाटी के घर किससे बनाए जाते थे? **[SSC CHSL (Tier-I) 2001]**

(a) ईंट (b) बाँस
(c) पत्थर (d) लकड़ी

(a) सिन्धु घाटी संस्कृति की विशेषता इसकी नगर-योजना प्रणाली थी। इस संस्कृति के अधिकांश मकान पक्की ईंटों के बने थे। इसमें निश्चित आकार की पकी ईंटों का प्रयोग किया जाता था। दीवार के कोनों के लिए मुड़ी हुई ईंटों (कोने के आकार की) का प्रयोग भी किया जाता था।

36. हड़प्पा की सभ्यता किस युग की थी? **[SSC MTS 2001]**

(a) कांस्य युग (b) नवपाषाण युग
(c) पुरापाषाण युग (d) लौह युग

(a) हड़प्पा सभ्यता का सम्बन्ध कांस्य युग से था। एक नृत्य करती लड़की की मूर्ति कांस्य से ही बनाई गई थी। कांस्य युग में मनुष्य ताँबे एवं टिन के साथ मिश्रित धातु काँसे का प्रयोग करते थे। इस युग में शहरी सभ्यताओं का विकास हुआ।

37. सिन्धु घाटी की सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या था? **[SSC MTS 2001]**

(a) व्यापार (b) पशुपालन
(c) शिकार (d) कृषि

(d) सिन्धु सभ्यता के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। कृषि के अधिशेष उत्पादन ने ही उन्हें व्यापार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

38. हड़प्पा के निवासी **[SSC MTS 2001]**

(a) ग्रामीण थे
(b) शहरी थे
(c) यायावर (खानाबदोश) थे
(d) जनजातीय थे

(b) हड़प्पा सभ्यता एक शहरी सभ्यता थी। हड़प्पा अर्थव्यवस्था, कृषि अधिशेष, पशुपालन, उन्नत हस्तशिल्प तथा समृद्ध आन्तरिक तथा बाह्य व्यापार पर आधारित थी। नियोजित शहरों का निर्माण एवं सड़कों के निर्माण से इसके शहरीकरण के प्रमाण मिलते हैं।

39. हड़प्पावासी किस वस्तु के उत्पादन में सर्वप्रथम थे? **[SSC MTS 2001]**

(a) मुद्राएँ (b) काँसे के औजार
(c) कपास (d) जौ

(c) सर्वप्रथम कपास का उत्पादन हड़प्पावासियों ने किया था। जौ उनका प्रमुख खाद्यान्न था। हड़प्पा सभ्यता में उत्पादित होने वाली अन्य फसलें गेहूँ, जौ, चावल, तिल, सरसों, मटर इत्यादि थी। उपजाऊ नमीयुक्त मृदा के कारण यहाँ कपास का उत्पादन पर्याप्त मात्रा में किया जाता था।